भारतीय शिक्षा बोर्ड
आदर्श कार्य पत्रक – प्रथम इकाई
हिंदी – कक्षा 7
सत्र 2026-27

निर्धारित समय : 1 घंटा **अधिकतम अंक : 20**

निर्देश :

- **प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।**
- **प्रश्न पत्र को पढ़ने के लिए अतिरिक्त 10 मिनट का समय दिया जाएगा। इस दौरान छात्र केवल प्रश्न पत्र पढ़ेंगे।**
- **इस प्रश्न पत्र में कुल तीन खंड हैं।**
- **खंड क में 1 प्रश्न है, जिसकी प्रश्न संख्या 1 है, प्रश्न संख्या 1 में 5 उप प्रश्न हैं, प्रत्येक उप प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित किया गया है।**
- **खंड ख में कुल 5 प्रश्न है, जिनकी प्रश्न संख्या 2 से 6 तक है, प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित किया गया है।**
- **खंड ग में 2 प्रश्न हैं, जिनकी प्रश्न संख्या 7 एवं 8 है, प्रश्न सख्या 7 के लिए 4 अंक निर्धारित किये गये हैं एवं प्रश्न संख्या 8 के लिए 6 अंक निर्धारित किये गये हैं।**

खंड-क (अपठित गद्यांश)

दुनिया के इतिहास में युद्धों को लेकर कई तरह के दावे किए गए हैं। प्रथम विश्वयुद्ध पर तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने कहा था कि 'यह युद्ध युद्धों का अंत करेगा' और खुद विल्सन ने शांति स्थापना के प्रयास 'लीग ऑफ नेशंस' के रूप में किए भी थे पर इतिहास में दर्ज है कि उसके बाद बीस साल का शीत युद्ध और फिर द्वितीय विश्वयुद्ध। यानी विल्सन का दावा पूरी तरह गलत साबित हुआ। विल्सन के इस दावे पर उसी समय कटाक्ष करते हुए स्पेनिश-अमेरिकी दार्शनिक जॉर्ज सेंटायना कहा था कि 'युद्ध का अंत केवल मृत ही देखेंगे'। पर मृत भी कहाँ कुछ देख सकता है। प्रथम तो नहीं पर द्वितीय विश्वयुद्ध के समय एक बार तो लगा कि परमाणु आयुधों के प्रयोग से दुनिया खत्म होने के कगार पर है। एक स्थापित तथ्य यह भी है कि युद्धों को हमेशा सत्ताधारियों ने ही अपने निहित स्वार्थों के लिए हवा नहीं दी है बल्कि हथियार निर्माता कंपनियों की स्थाई चाह यही रही कि युद्ध जारी रहें।

ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, स्पेन, पुर्तगाल और अमेरिका की कई कंपनियां युद्ध सामग्री की आपूर्ति में सक्रिय रहीं। यहाँ तक की रॉकफेलर फाउंडेशन जैसी मानवीय सहायता के नाम पर गठित संगठनों ने प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में हथियारों में व्यापक निवेश किया। विस्फोटक पदार्थों के निर्माण में संलग्न रसायन कंपनियों ने अपने मुनाफे के लिए युद्धरत क्षेत्र में विस्फोटकों की व्यापक आपूर्ति की। फरवरी, 2022 से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध में किस तरह

दोनों देशों के सहयोगी गुटों के हथियार उत्पादक युद्ध सामग्री की आपूर्ति अपने हाथों में लिए हुए हैं, इसका अंदाजा पिछले साल स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई-सिपरी) से आई एक रिपोर्ट से लगाया जा सकता है कि साल 2023 में यूक्रेन दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक देश बन चुका है। विशेषकर नाटो देशों ने वर्ष 2018 से 2023 की पाँच साल की अवधि में अपने हथियार आयात में 65 फीसदी की वृद्धि की है। सिपरी के आंकड़ों के मुताबिक अकेले यूक्रेन को बेचे गए हथियारों में से अमेरिका से लगभग 228 तोपें और अनुमानित 5000 निर्देशित तोपखाने रॉकेट, पोलैंड से 280 टैंक और ब्रिटेन से 7000 से अधिक एंटी-टैंक मिसाइलें शामिल थीं। इन आंकड़ों से यह साबित हो रहा है कि युद्ध के व्यापार से कुछ देशों की अर्थव्यवस्था फल-फूल रही है। यहाँ अमेरिका के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और भारत में अमेरिका के राजदूत रहे जॉन गालब्रेथ का कथन ध्यान देने योग्य है कि "युद्ध बंद हो जाएंगे तो युद्ध उद्योग कैसे चलेगा"? यानी बीसवीं सदी में ही 'युद्ध उद्योग' कायम हो चुका था और उद्योग का एक ही मकसद होता है-मुनाफा।

इस मुनाफे के लिए युद्ध सामग्रियों के क्षेत्र में सक्रिय कंपनियां और देश नित नवीन शोध कार्य कर रहे हैं। हथियारों को उन्नत से अति उन्नत बनाने हेतु यूरोप और अमेरिका ही नहीं अब इजरायल, ईरान, चीन और उत्तर कोरिया जैसे देश भी अपने 'R & D' (रिसर्च एवं डेवलपमेंट) में अधिक से अधिक निवेश करने के लिए सार्वजनिक और निजी दोनों स्तरों से प्रयासरत हैं। युद्धों में अंतिम विजय अपने पक्ष में हो, ऐसा लक्ष्य लिए चल रही यह होड़ आत्मघाती भी साबित हो रही है। शस्त्र नियंत्रण और निःशस्त्रीकरण के तमाम प्रयासों के बावजूद रासायनिक और जैविक हथियारों के उपयोग आज भी जारी हैं। जे. डी. बर्नाल ने अपनी पुस्तक 'साइंस इन हिस्ट्री' (1954) में प्रमाण सहित यह बताया है कि 'दुनिया की अधिकतर प्रयोगशालाओं में होने वाले शोध के केंद्र में युद्ध होता है'। बीसवीं सदी के लगभग मध्य में स्थापित किया गया यह विश्लेषण आज इक्कीसवीं सदी में और अधिक सच साबित हो चुका है। मशहूर इतिहासकार अर्नाल्ड टायन्बी ने युद्धों को तकनीकि का विषय बताया था यानी युद्ध विकसित हो रही तकनीक की ही अभिव्यक्ति होते हैं।

यहाँ दिए गए गद्यांश के आधार पर 5 बहुविकल्पीय प्रश्न प्रस्तुत हैं—

प्रश्न 1. वुडरो विल्सन ने प्रथम विश्वयुद्ध के बारे में क्या दावा किया था? **(1)**

A. यह युद्ध सबसे बड़ा युद्ध होगा
B. यह युद्ध युद्धों का अंत करेगा
C. यह युद्ध आर्थिक विकास लाएगा
D. यह युद्ध केवल यूरोप तक सीमित रहेगा

प्रश्न 2. जॉर्ज सेंटायना ने युद्ध के बारे में क्या कहा था? **(1)**

A. युद्ध मानवता का विकास करता है

B. युद्ध आवश्यक है
C. युद्ध का अंत केवल मृत ही देखेंगे
D. युद्ध हमेशा न्यायसंगत होता है

प्रश्न 3. गद्यांश के अनुसार युद्धों को बढ़ावा देने में किसका योगदान बताया गया है? (1)
A. केवल सैनिकों का
B. केवल जनता का
C. सत्ताधारियों और हथियार निर्माता कंपनियों का
D. केवल वैज्ञानिकों का

प्रश्न 4. जॉन केनेथ गालब्रेथ के कथन का मुख्य आशय क्या है? (1)
A. युद्ध अनावश्यक हैं
B. युद्ध से शांति आती है
C. युद्ध उद्योग मुनाफे के लिए युद्धों पर निर्भर है
D. युद्ध केवल राजनीति का विषय है

प्रश्न 5. Stockholm International Peace Research Institute की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में यूक्रेन किस स्थान पर था? (1)
A. पहला
B. दूसरा
C. तीसरा
D. चौथा

खंड-ख (व्याकरण)

प्रश्न 2: निम्नलिखित शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए– (1)

क) "सुंदर"

प्रश्न 3: निम्नलिखित शब्द में उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए– (1)

क) असफल

प्रश्न 4: निम्नलिखित शब्द में प्रत्यय और मूल शब्द अलग कीजिए– (1)

क) मित्रता

प्रश्न 5: दिए गए प्रत्यय से दो नए शब्द बनाकर लिखिए - (1)

क) ता -

प्रश्न 6: दिए गए शब्द में से संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए - **(1)**

क) विवाह के पश्चात् अहिल्याबाई अपने ससुराल आ गईं।

खंड-ग (पाठ्यपुस्तक)

प्रश्न 7: निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(4)**

हम पंछी उन्मुक्त गगन के
पिंजरबद्ध न गा पाएँगे,
कनक-तीलियों से टकराकर
पुलकित पंख टूट जाएँगे।

हम बहता जल पीनेवाले
मर जाएँगे भूखे-प्यासे,
कहीं भली है कटुक निबोरी
कनक-कटोरी की मैदा से।

स्वर्ण-श्रृंखला के बंधन में
अपनी गति, उड़ान सब भूले,
बस सपनों में देख रहे हैं
तरु की फुनगी पर के झूले।

ऐसे थे अरमान कि उड़ते
नील गगन की सीमा पाने,
लाल किरण-सी चोंच खोल
चुगते तारक-अनार के दाने।

(i) प्रस्तुत कविता के रचयिता का नाम लिखिए।
(ii) कविता में पंछियों के माध्यम से कवि किस प्रकार की स्वतंत्रता की इच्छा व्यक्त करता है?
(iii) "कनक-तीलियों से टकराकर पुलकित पंख टूट जाएँगे" — इस पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।
(iv) कवि ने "कटुक निबौरी" को "कनक-कटोरी की मैदा" से अधिक श्रेष्ठ क्यों बताया है?
(v) कविता में स्वर्ण-शृंखला (सोने की जंजीर) किसका प्रतीक है? यह पंछियों की स्थिति को कैसे दर्शाती है?
(vi) "लेकिन पंख दिए हैं तो आकुल उड़ान में विघ्न न डालो" — इस पंक्ति के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है?

प्रश्न 8: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 30-35 शब्दों में लिखिए। **(6)**

(क) ऋषिका अदिति वात्सल्य-प्रेम की जीवंत मूर्ति थीं। आपके जीवन में 'वात्सल्य-प्रेम की जीवंत मूर्ति' कौन है?

(ख) क्या जिस तरह मानव की दिनचर्या होती है, वैसे ही पक्षियों की भी दिनचर्या होती है? इस बारे में पता कीजिए और अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए।

(ग) अधिकतर गाँव या शहर किसी-न-किसी नदी, नहर या तालाब के किनारे बसे हैं। बरसात के दिनों में अक्सर इनका जल-स्तर बढ़ जाता है और आस-पास के मनुष्यों और पशुओं को कठिनाई का सामना करना पड़ता है। अपने आस-पास आई किसी प्राकृतिक आपदा के समय जन-जीवन कैसा था? लिखिए।